गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ- डॉ खलील

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉ खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-143 लखनऊ व एटा से प्रकशित बुधवार, 22 मई 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ-डॉ खलील खान

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद

गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए । डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई

कार्यवाही करते हुए 31,120 रुपए वसूल कि एग। तथा प्लेटफार्म पर

मार्गदर्शन तथा उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के निर्देशन

पर अधिकारियों के साथ निरीक्षकों की टीम गठित की गई हैं।

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ - डॉ खलील खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादोंध् जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए । डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5: तक की कमी आई है।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, बुधवार 22 मई 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47220)

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ :डॉ खलील खान

कानपुर, 21 मई (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई

मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे–धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो–तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए। डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5 प्रतिशत तक की कमी आई है।

आज का कानपुर

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ-डॉ खलील खान

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए । डॉक्टर खान ने बताया कि

अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5 प्रतिशत तक की कमी आई है।

किसानों के लिए खेतों में गहरी जुताई पर जारी की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने मंगलवार को किसानो के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई पर एडवाइजरी जारी की। उन्होंने किसानो से कहा कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखें। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई मई माह में कर लें। इस गहरी जुताई से बनने वाले ढेले धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं व जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोत्तरी करते हैं। डॉ.खान ने बताया कि गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं।

चतुर्दशी 1/16 लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
अमृत विचार
कानपुर नगर एक सम्पूर्ण अखबार

गहरी जुताई से भूमि कटाव में 66 फीसदी की कमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गर्मी में खेतों की गहरी जुताई के फायदों से मंगलवार को किसानों को अवगत कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के विशेषज्ञों ने किसानों को गहरी जुताई का प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि अनुसंधान से यह पता चला है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5 फीसदी तक की कमी आती है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने कहा कि गर्मियों में खाली खेतों में गहरी जुताई जरूर करनी चाहिए। आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। जहां तक संभव हो किसान मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में जरूर कर लेनी चाहिए। इस गहरी जुताई से जो ढेले बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। इसके साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें व खेत में उगे हुए खरपतवार नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों या जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं। इससे भूमि में वायु संचार व जल धारण क्षमता बढ़ जाती है।

जुताई करता किसान। अमृत विचार

- कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दिया प्रशिक्षण, गिनाए गहरी खोदाई के लाभ